

---

# Vaidarbhikrita Shiva Stuti

---

## वैदर्भीकृता शिवस्तुतिः

---

### Document Information

---

Text title : Vaidarbhikrita Shiva Stuti

File name : vaidarbhIkRRitAshivastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 25| 357-366||

See corresponding nAmAvalI

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

वैदर्भीकृता शिवस्तुतिः



(शिवरहस्यान्तर्गते उग्राख्ये)

वैदर्भ्युवाच

नमो नमः कारणकारणाय

नारायणासेवितपादुकाय ।

नमो नमो भूतिविभूषणाय

विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३५७ ॥

नमो नमश्चन्द्रकलाधराय

नमो नमो मङ्गलविग्रहाय ।

नमो नमोऽनन्तगुणार्णवाय

विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३५८ ॥

नमो नमोऽनङ्गमदापहाय

नमो नमः शेषविभूषिताय ।

नमो नमो मङ्गलदायकाय

विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३५९ ॥

नमो नमः सर्वसुर्वसुराधिपाय

नमो नमः सर्वगुणोज्ज्वलाय ।

नमो नमः सर्वजगन्मयाय

विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६० ॥

नमो नमोऽनन्तविलोचनाय

नमो नमोऽनन्तकरोज्ज्वलाय ।

नमो नमोऽनन्तशिरोधराय

विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६१ ॥

नमो नमो हेमविभूषणाय

नमो नमः शैलसुताप्रियाय ।

नमो नमो बिल्वदलार्चिताय  
विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६२ ॥

नमो नमो निर्मितपारदाय  
नमो नमो निर्मितभूधराय ।  
नमो नमः सर्वगणाधिपाय  
विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६३ ॥

नमो नमोऽनन्तरविप्रभाय  
नमो नमोऽनन्तविधुप्रभाय ।  
नमो नमो वह्निगणप्रभाय  
विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६४ ॥

नमो नमो मन्मथसूदनाय  
नमो नमोऽज्ञाननिषूदनाय ।  
नमो नमस्ते वृषवाहनाय  
विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६५ ॥

नमो नमः सर्वविधायकाय  
नमो नमः सर्जितरक्षकाय ।  
नमो नमः सर्जितनाशकाय  
विश्वेश शम्भो भगवन्नमस्ते ॥ ३६६ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते वैदर्भीकृता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥


- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः २५। ३५७-३६६ ॥

- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 25 . 357-366..


Notes:

The Vaidarbhīkṛtā Śivastutyāntargate ŚivaNāmāvaliḥ वैदर्भीकृता शिवस्तुत्यन्तर्गते शिवनामावलिः that has been derived from this Stutiḥ स्तुतिः can be referred to from the link given below.

Proofread by Ruma Dewan

——  
*Vaidarbhikrita Shiva Stuti*

pdf was typeset on June 16, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

